भजन

तर्ज–रोशन तुम्हीं से दुनिया

दिल में है इश्क सागर,खाविंद हो तुम रूहों के
पिलाते रहो,पिलाते रहो

1– जिन विध है शोभा हक की,
सोई स्यामा जी की जानो
देते हैं प्यार पूरा,नहीं कुछ भी तो कमी है
आशिक हैं हम तुम्हारे,माशूक हमारे तुम हो
पिलाते रहो..

2– शोभा मुखारबिंद की,
मुख से कही न जाए
सर्व रस भरे हैं दूल्हा,रूह देखते लुभाए
मुख मीठी अपनी रूह को,रस रसना पिलाते तुम हो
पिलाते रहो..

3– करते हैं बातें प्यारी,
माशूक जब रूहों से
चुभ जाते रूह के तन में,हक अंग रस भरे हैं
बलि जाऊं हक चरण पे,महबूब हमारे तुम हो
पिलाते रहो...